Journal of Research and Development
A Multidisciplinary International Level Referred and Double Blind Peer Reviewed, Open Access
ISSN : 2230-9578 | Website: https://jrdrvb.org Volume-18, Issue-4(A)| April-2026

Original Article

जनपद गोण्डा में साक्षरता वृद्धि दर का मानव विकास पर प्रभाव का विश्लेषण

नीलम सरोज प्रो. अनामिका सिंह

[1]शोध छात्रा आर. एस. के. डी. पी. जी. कॉलेज, जौनपुर

[2]शोध निर्देशिका, आर.एस. के. डी पी. जी. कॉलेज, जौनपुर

Email: nilamsaroj79@gmail.com

Manuscript ID:
JRD -2026-180406
ISSN: 2230-9578
Volume 18
Issue 4(A)
Pp 21-27
April- 2026
Submitted: 18 Mar. 2026
Revised: 28 Mar. 2026
Accepted: 12 Apr. 2026
Published: 30 April. 2026

सारांश–

जनपद गोंडा एक ग्रामीण आबादी क्षेत्र है, जहां पर शिक्षा का स्तर बहुत अच्छी नहीं है। शिक्षा मानव जीवन के लिए नितांत आवश्यक हैं। शिक्षा के अभाव में मानव अपने अधिकार से पूर्ण रूप से अवगत नहीं हो पता है। शिक्षा को केवल पढ़ने–लिखने तक ही सीमित नहीं माना जा सकता, बल्कि शिक्षा मानव की सामाजिक आर्थिक व सांस्कृतिक क्षेत्र में समृद्धि का आधार स्तंभ है। अध्ययन के विश्लेषण से यह स्पष्ट हुआ है कि जनपद गोंडा में साक्षरता में हुए क्रमिक विकास से स्वास्थ्य, आजीविका के साधन एवं लोगों की जीवन स्तर में सुधार दर्ज किया गया है। साक्षरता में सुधार होने से जन जीवन सकारात्मक रूप से प्रभावित हुआ है। जैसे बेहतर स्वास्थ्य सुविधा का विकास, साफ सफाई में लोगों का ध्यान देना, रोजगार के विभिन्न अवसर उपलब्ध होना। जनपद में शिक्षा को लेकर लोगों की जागरूकता आगे आने वाले पीढ़ियों को नए तरीके से तैयार होने में सहायक सिद्ध होगी। तथा मानव विकास विभिन्न आयाम में बेहतरीन आयी है। इस प्रकार से यह कहना उचित होगा कि जनपद गोंडा में साक्षरता वृद्धि दर का मानव विकास पर सकारात्मक प्रभाव देखा गया है।

मुख्य शब्द– मानव विकास सूचकांक, सांस्कृतिक विकास, साक्षरता दर, महिला साक्षरता, पुरुष साक्षरता, जनपद गोंडा।

प्रस्तावना

साक्षरता किसी भी मानव समाज के सामाजिक आर्थिक एवं सांस्कृतिक विकास के आधार के रूप में कार्य करता है। वर्तमान समय में शिक्षा मानव के गरिमामय जीवन के लिए अत्यंत आवश्यक है। एक स्वस्थ गुणवत्तापूर्ण उत्पादक नागरिक के निर्माण से लोकतंत्र का निर्माण करने में योगदान प्रदान करते हैं। भारत जैसे देश में जहाँ मानव संसाधन की प्रचुरता है उनको साक्षर कर देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जा सकती है भारत विकासशील देश की श्रेणी में आता है। शिक्षा ही है जिसके द्वारा नागरिको को तैयार करके गुणवत्तापूर्ण एवं देश को विकसित राष्ट्र बनाया जा सकता है। पिछले कई दशकों से भारत शिक्षा के क्षेत्र में सराहनीय वृद्धि कर रहा है। साक्षरता के अभाव में कोई भी राष्ट्र चाहे वहाँ कितनी जनसंख्या क्यों न हो वह राष्ट्र अपंग बनकर रह जाता है।

मानव विकास सूचकांक के अंतर्गत शिक्षा, स्वास्थ्य, जीवन प्रत्याशा में साक्षरता की अहम भूमिका होती है जिसमें पुरुष साक्षरता एवं महिला साक्षरता के स्तर के आधार पर मानव विकास सूचकांक का निर्धारण किया जाता है। मानव विकास सूचकांक में महिला साक्षरता का अहम रोल होता है। जिस प्रदेश में साक्षरता का उच्च स्तर होता है वहाँ के मानव विकास सूचकांक का स्तर उच्च देखने को मिलता है तथा जहाँ निम्न होता है वहाँ पर निम्न पाया जाता है। सामान्य रुप से मानव विकास सुचकांक का निर्धारण सम्पूर्ण साक्षरता से किया जाता है।

अध्ययन क्षेत्र–

जनपद गोंडा पृथ्वी के उत्तरी गोलार्द्ध में भारत की विशाल मैदानी भाग में अवस्थित है। यह मैदान गंगा जमुना की अवसादी जमाव से निर्मित है। जनपद गोंडा मध्य भाग में स्थित है। सरयू, टेढ़ी, विसुही नदिया जनपद की प्राकृतिक सीमा का सीमांकन करती हैं। राजनीतिक रूप से जनपद गोंडा भारत देश के उत्तर प्रदेश राज्य का एक जिला है तथा मंडल मुख्यालय भी है। भौगोलिक दृष्टि से अध्ययन क्षेत्र जनपद गोंडा का अक्षांशीय विस्तार 26°48′ उत्तर से 27°55′ उत्तरी अक्षांश तथा देशांतरीय विस्तार 18°34′ पूर्वी देशांतर से 82°48′ पूर्वी देशांतर के मध्य स्थित है। अध्ययन से ज्ञात होता है कि जनपद का पूर्व पश्चिम विस्तार अधिक है।

जनपद गोंडा का कुल क्षेत्रफल 4003 वर्ग किलोमीटर है, जो उत्तर प्रदेश के कुल क्षेत्रफल का 1.66 प्रतिशत है। जनपद में चार तहसील (गोंडा, करनैलगंज, तरबगंज, मनकापुर) तथा 16 ब्लॉक बभनजोत, बेलसार, छपिया, कर्नलगंज, हलदर मऊ, इटिया ठोक, झंझरी,कटरा बाजार, मनकापुर, मंझाना, नवाबगंज, पंडरी कृपाल, परसपुर, रूपईडीह, तरबगंज, वजीरगंज शामिल है।

Creative Commons (CC BY-NC-SA 4.0)
This is an open access journal, and articles are distributed under the terms of the Creative Commons Attribution-NonCommercial-ShareAlike 4.0 International Public License, which allows others to remix, tweak, and build upon the work noncommercially, as long as appropriate credit is given and the new creations ae licensed under the idential terms.

Address for correspondence:
नीलम सरोज शोध छात्रा आर. एस. के. डी. पी. जी. कॉलेज, जौनपुर

How to cite this article:
सरोज, . नीलम ., & सिंह, . अनामिका . (2026). जनपद गोण्डा में साक्षरता वृद्धि दर का मानव विकास पर प्रभाव का विश्लेषण. Journal of research & development, 18(4(A)), 21–27. https://doi.org/10.5281/zenodo.20374639

Quick Response Code:
Website: https://jrdrvb.org/
DOI: 10.5281/zenodo.20374639
OPEN ACCESS

Journal of Research and Development
A Multidisciplinary International Level Referred and Double Blind Peer Reviewed, Open Access
ISSN : 2230-9578 | Website: https://jrdrvb.org Volume-18, Issue-4(A)| April-2026

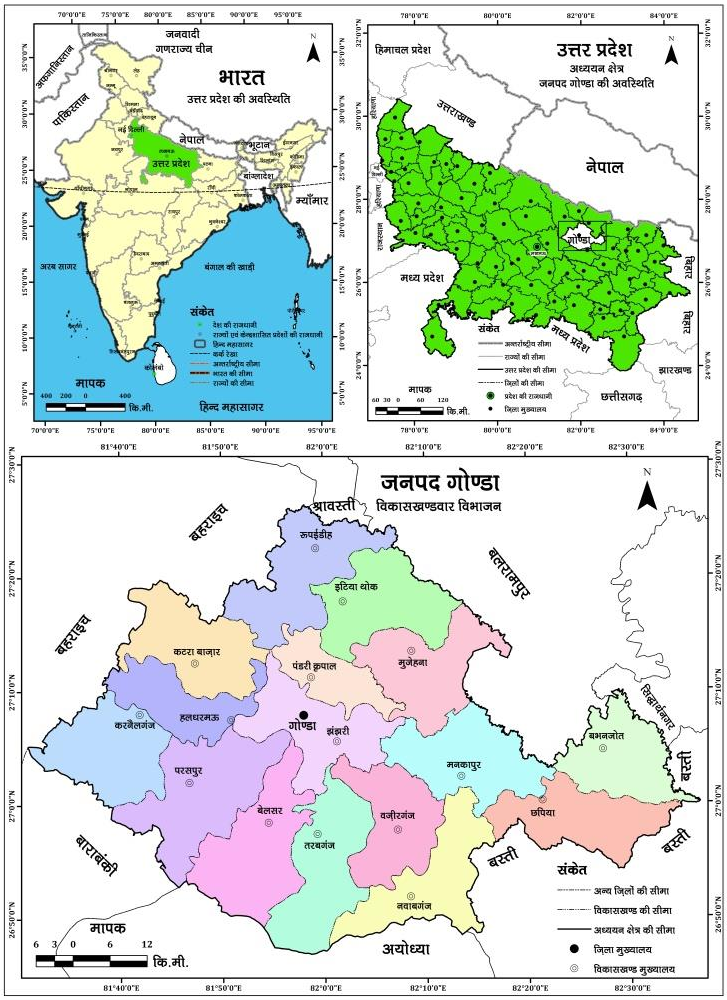

जनपद गोंडा में कुल पुरुष साक्षरता दर 2019 में 69.42 प्रतिशत रही है तथा कुल महिला साक्षरता दर 47.09 प्रतिशत रही है। जनपद गोंडा में मध्यम पुरुष साक्षरता वाले विकासखण्ड वर्ष 2019 में तरबगंज 66.40 प्रतिशत, बभनतजोत 66.79 प्रतिशत, इतियाथोक 67.19 प्रतिशत, रूपईडीह 67. 27 प्रतिशत तथा नवाबगंज 68.79 प्रतिश्चात रही है। मध्यम महिला साक्षरता वाले विकासखण्ड वर्ष 2019 में इतियाथोक 42.62, तरबगंज 44.17 प्रतिशत, हलधरमऊ 44.68 प्रतिशत, पंडरीकृपाल 45.06 प्रतिशत तथा परसपुर 45.20 प्रतिशत रही है।

उद्देश्य–

प्रस्तुत शोध पत्र का उद्देश्य बिंदुवार निम्नवत है

1. जनपद में साक्षरता विकासखण्डवार वृद्धि दर का आकलन करना।
2. जनपद में शिक्षा का मानव विकास पर प्रभाव का ऑकलन करना ।
3. जनपद में ग्रामीण एवं शहरीय साक्षरता का ऑकलन करना ।
4. जनपद में महिला एवं पुरुष साक्षरता का विकासखण्डवार ऑकलन करना।
5. जनपद में साक्षरता एवं मानव विकास का तुलनात्मक ऑकलन करना।
6. जनपद में शिक्षा के सरकारी एवं गैर सरकारी योजनाओं का लोगों तक पहुँच तथा जागरूकता का ऑकलन करना ।

7. शोध विधि तंत्र

जनपद गोंडा में साक्षरता वृद्धि दर का मानव विकास पर प्रभाव का अध्ययन वर्णनात्मक एवं विश्लेषणात्मक रूप में किया गया हैं। ग्रामीण तथा शहरी दोनों क्षेत्रों के आंकड़ों का विश्लेषण किया गया हैं। आंकड़ों का संग्रहण विभिन्न ब्लाकों गांव व वार्डों से प्राप्त नमूनों के रूप में किया गया हैं। प्राप्त आंकड़ों के विश्लेषण के लिए प्रतिशत, औसत तथा सहसम्बन्ध आदि विधियों का प्रयोग किया गया है। इन आंकड़ों के माध्यम से ग्राफ और मानचित्र का प्रदर्शन किया गया है।

Journal of Research and Development
A Multidisciplinary International Level Referred and Double Blind Peer Reviewed, Open Access
ISSN : 2230-9578 | Website: https://jrdrvb.org Volume-18, Issue-4(A)| April-2026

जनपद गोंडा का विकासखण्डवार साक्षरता 2009 एवं 2019 का प्रतिशत

क्र. सं.	साक्षरता विकासखण्डवार	पुरुष		महिला	
		2009	2019	2009	2019
1.	रूपईडीह	52.47	67.27	20.02	41.17
2.	इटियाथोक	51.91	67.19	19.69	42.62
3.	पंडरी कृपाल	51.94	70.54	20.68	45.06
4.	झंझारी	59.92	73.46	30.21	50.59
5.	मझाना	53.48	65.56	21.24	41.22
6.	कटरा बाजार	44.57	63.33	14.66	39.35
7.	हलधरमऊ	55.90	69.01	23.58	44.68
8.	करनैलगंज	49.23	64.89	20.52	42.11
9.	परसपुर	57.06	65.78	26.61	45.20
10.	बेलसार	54.66	69.63	26.28	46.91
11.	तरबगंज	56.04	66.40	25.06	44.17
12.	वजीरगंज	60.23	71.22	27.08	47.03
13.	नवाबगंज	52.67	68.69	25.46	47.35
14.	मनकापुर	57.42	74.47	26.59	49.62
15.	बभनजोत	50.45	66.79	24.84	45.80
16.	छपिया	62.24	72.87	31.11	51.10
17.	योग	56.39	69.42	27.17	47.09

जिला सांख्यिकी पत्रिका–2019–20

जनपद गोंडा में वर्ष 2009 में कुल पुरुष साक्षरता दर 56.39 प्रतिशत रही है। जनपद में सर्वाधिक पुरुष साक्षरता दर वाले विकास खंड वर्ष 2009 में छपिया (62.24 प्रतिशत) वजीरगंज (60.23 प्रतिशत), झंझारी (59.92 प्रतिशत) तथा मनकापुर (57.42 प्रतिशत) रही है। इसी क्रम में जनपद में वर्ष 2009 में न्यूनतम पुरुष साक्षरता वाले विकासखण्ड में कटराबाजार (44.57 प्रतिशत) रही है। वर्ष 2009 में करनैलगंज (49.23 प्रतिशत) बभनजोत (50.45 प्रतिशत), इटियाथोक (51.91 प्रतिशत) एवं पंडरीकृपाल (51.94 प्रतिशत) रही है। इसी प्रकार जनपद में 2009 में मध्यम पुरुष साक्षरता वाले विकासखण्ड में रूपईडीह (52.47 प्रतिशत), नवाबगंज (52.67 प्रतिशत) मंझाना (53.48 प्रतिशत) बेलसार (54.66 प्रतिशत) हलधरमऊ (55.90 प्रतिशत) तरबगंज (56.04 प्रतिशत) तथा परसपुर (57.06 प्रतिशत) रही है।

जनपद गोंडा वर्ष 2009 में कुल महिला साक्षरता दर 27.17 प्रतिशत रही है। जनपद में सर्वाधिक महिला साक्षरता दर वाले विकासखंड वर्ष 2009 में छपिया (31.11 प्रतिशत) झंझारी (30.21 प्रतिशत) वजीरगंज (27.08) परसपुर (26.61 प्रतिशत) रही है वही कुछ जनपद न्यूनतम महिला साक्षरता दर वाले विकासखंड में कटराबाजार (14.66 प्रतिशत) इटियाथोक (19.69 प्रतिशत) रुपईडीह (20.02 प्रतिशत) करनैलगंज (20.52 प्रतिशत) रही है इसी क्रम में जनपद गोंडा में मध्यम महिला साक्षरता वाले विकास खंड में पंडरीकृपाल (20.68 प्रतिशत) मंझाना (21.24 प्रतिशत) हलधरमऊ (23.58 प्रतिशत) बभनजोत (24.84 प्रतिशत) तरबगंज (25.06 प्रतिशत) नवाबगंज (25.46 प्रतिशत) बेलसार (26.28 प्रतिशत) मनकापुर (26.59 प्रतिशत) रही है।

जनपद गोंडा में वर्ष 2019 में कुल पुरुष साक्षरता दर 69.42 प्रतिशत रही है। जनपद में सर्वाधिक पुरुष साक्षरता दर वाले विकास खंड वर्ष 2019 में मनकापुर (74.47 प्रतिशत) झंझारी (73.47 प्रतिशत) छपिया (72.87 प्रतिशत) वजीरगंज (71.22 प्रतिशत) रही है। जनपद में न्युनतम पुरुष साक्षरता दर वाले विकास खंड वर्ष 2019 में कटराबाजार (63.33 प्रतिशत) करनैलगंज (64.89 प्रतिशत) मंझाना (65.56 प्रतिशत) परसपुर (65.78 प्रतिशत रही है इसी क्रम में मध्यम पुरुष साक्षरता दर वाले विकास खंड वर्ष 2019 में तरबगंज (66.40 प्रतिशत) बभनजोत (66.79 प्रतिशत) इतियाथोक (67.19 प्रतिशत) रुपईडीह (67.27 प्रतिशत) नवाबगंज(68.79 प्रतिशत) हलधरमऊ (69.01 प्रतिशत) बेलसार (69.63 प्रतिशत) पंडरीकृपाल (70.54 प्रतिशत) रही है।

जनपद गोंडा में वर्ष 2019 में कुल महिला साक्षरता दर 47.09 प्रतिशत रही है। जनपद में सर्वाधिक महिला साक्षरता दर वाले विकास खंड वर्ष 2019 में छपिया (51.09 प्रतिशत) नवाबगंज (47.35 प्रतिशत)। वही जनपद में न्युनतम महिला साक्षरता दर वाले विकास खंड वर्ष 2019 में कटराबाजार (39.35 प्रतिशत), रुपईडीह (41.17 प्रतिशत) मझाना (41.22 प्रतिशत) करनैलगंज (42.14 प्रतिशत) इसी क्रम में जनपद में मध्यम महिला साक्षरता दर वाले विकास खंड वर्ष 2019 में इतियाथोक (42.62 प्रतिशत) तरबगंज (44.17 प्रतिशत) हलधरमऊ (44. 68 प्रतिशत) पंडरीकृपाल (45.06 प्रतिशत) परसपुर (45.20 प्रतिशत) बभनजोत (45.82 प्रतिशत) बेलसार (46.91 प्रतिशत) वजीरगंज (47.03 प्रतिशत) रही है।

Journal of Research and Development
A Multidisciplinary International Level Referred and Double Blind Peer Reviewed, Open Access
ISSN : 2230-9578 | Website: https://jrdrvb.org Volume-18, Issue-4(A)| April-2026

जनपद गोंडा का विकासखण्डवार : कुल साक्षरता 2009–2019 का अन्तर

क्र. सं.	साक्षरता विकासखण्डवार	महिला–पुरुष 2009	महिला–पुरुष 2019	परिवर्तन
1.	रूपईडीह	37.32	54.93	17.61
2.	इटियाथोक	36.78	55.45	18.67
3.	पंडरी कृपाल	37.40	58.50	21.1
4.	झंझारी	45.93	62.65	16.72
5.	मंझाना	38.05	53.81	15.76
6.	कटरा बाजार	30.66	52.01	21.35
7.	हलधरमऊ	40.49	57.39	16.9
8.	करनैलगंज	35.93	54.23	18.3
9.	परसपुर	42.42	55.59	13.47
10.	बेलसार	41.12	58.70	17.58
11.	तरबगंज	41.35	55.59	14.25
12.	वजीरगंज	44.24	59.57	15.26
13.	नवाबगंज	39.84	58.30	18.46
14.	मनकापुर	42.87	62.54	19.67
15.	बभनजोत	38.14	56.55	18.41
16.	छपिया	47.33	62.15	14.82
	योग	42.59	58.72	16.13

स्रोत : जिला सांख्यिकी पत्रिका–2019–20

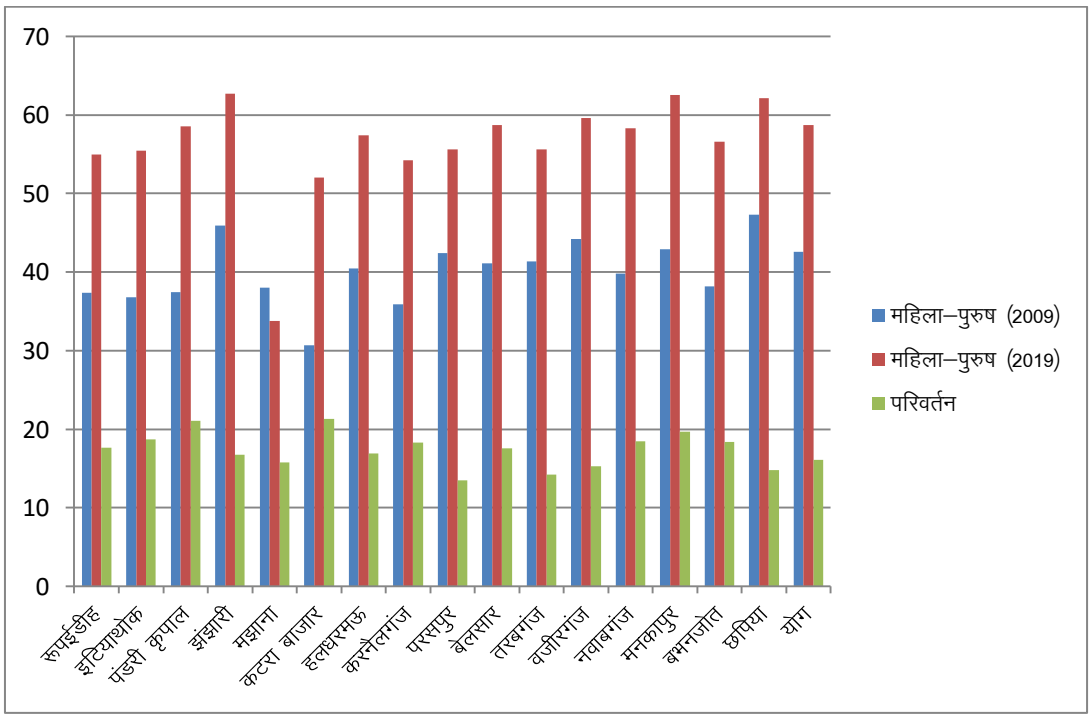

जनपद गोंडा में वर्ष 2009 में कुल महिला–पुरुष साक्षरता दर 42.59 प्रतिशत रही है जनपद में सर्वाधिक कुल जनपद में कुल सर्वाधिक महिला–पुरुष साक्षरता दर वाले विकास खंड दर वाले वर्ष 2009 में छपिया (47.33 प्रतिशत) झंझारी (45.93 प्रतिशत) वजीरगंज (44. 24 प्रतिशत) मनकापुर (42.87 प्रतिशत) जनपद में कुल न्युनतम महिला पुरुष साक्षरता दर वाले विकास खंड 2009 वाले कटराबाजार (30.66

Journal of Research and Development
A Multidisciplinary International Level Referred and Double Blind Peer Reviewed, Open Access
ISSN : 2230-9578 | Website: https://jrdrvb.org Volume-18, Issue-4(A)| April-2026

प्रतिशत) करनैलगंज (35.93 प्रतिशत) इतियाथोक (36.77 प्रतिशत) रुपईडीह (37.32 प्रतिशत)।

इसी क्रम में जनपद में कुल मध्यम महिला–पुरुष साक्षरता दर वाले विकास खंड वर्ष 2009 में पंडरिकृपाल (37.40) मंझाना (38.05 प्रतिशत) बभनजोत (38.14 प्रतिशत) नवाबगंज (39.84 प्रतिशत) हलधरमऊ (40.49 प्रतिशत) बेलसार (41.12 प्रतिशत) तरबगंज (41.35 प्रतिशत) परसपुर (42.42 प्रतिशत) रही है।

जनपद गोंडा में वर्ष 2019 में कुल महिला–पुरुष साक्षरता दर 58.72 प्रतिशत रही है। जनपद में कुल सर्वाधिक महिला–पुरुष साक्षरता दर वाले विकास खंड वर्ष 2019 में झंझारी (62.65 प्रतिशत) मनकापुर (62.54 प्रतिशत) छपिया (62.15 प्रतिशत) वजीरगंज (59.57 प्रतिशत) रही है।

जनपद में कुल न्युनतम महिला–पुरुष साक्षरता दर वाले विकास खंड वर्ष 2019 में कटराबाजार (52.01 प्रतिशत) मझाना (53.81 प्रतिशत) करनैलगंज (54.23 प्रतिशत) रुपईडीह (54.93 प्रतिशत)। इसी क्रम में जनपद में कुल मध्यम महिला–पुरुष साक्षरता दर वाले विकास खंड वर्ष 2019 में इतियाथोक (55.45 प्रतिशत) तरबगंज (55.59 प्रतिशत) परसपुर (55.89 प्रतिशत) बभनजोत (56.55 प्रतिशत) हलधरमऊ (57. 39 प्रतिशत) नवाबगंज (58.30 प्रतिशत) पडरीकृपाल (58.50 प्रतिशत) बेलसार (58.70 प्रतिशत) रही है।

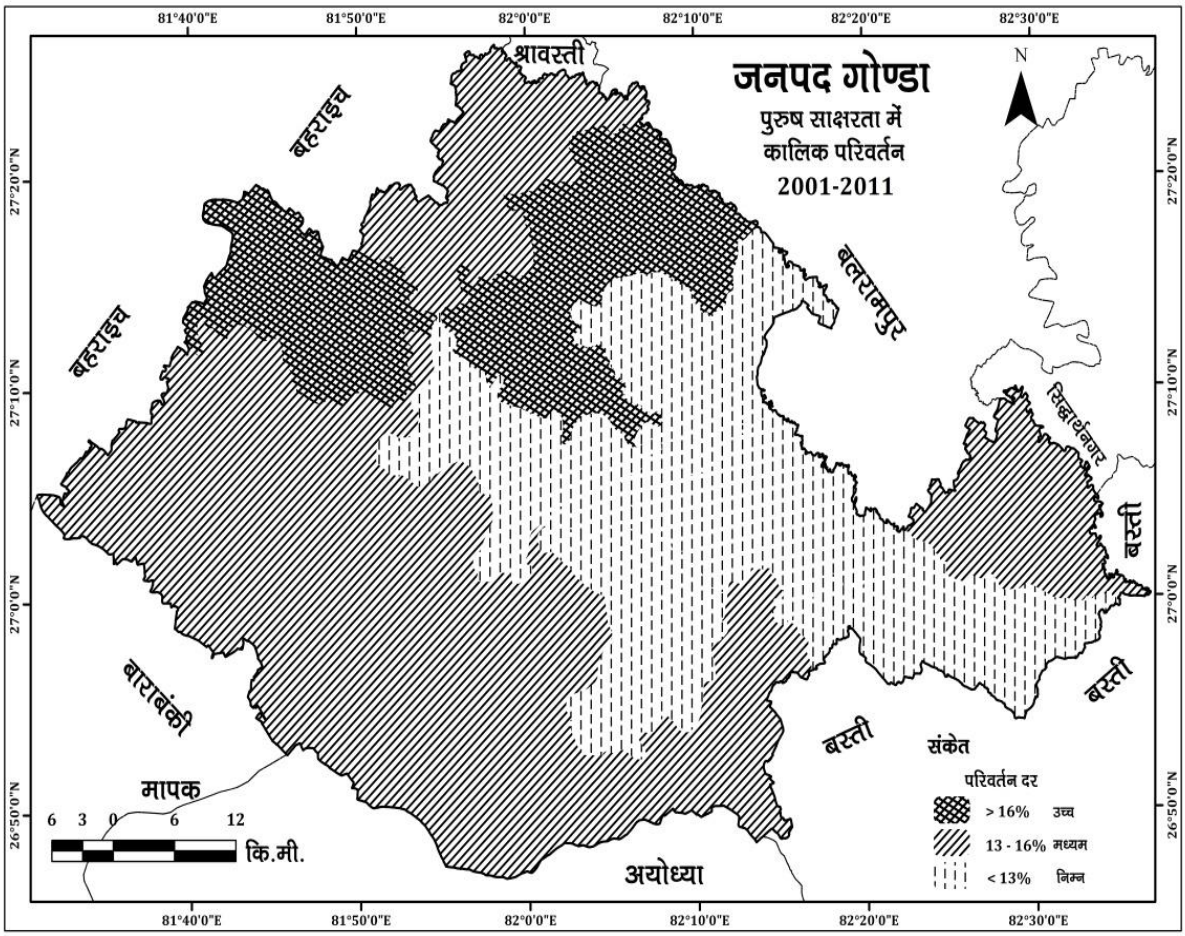

Journal of Research and Development
A Multidisciplinary International Level Referred and Double Blind Peer Reviewed, Open Access
ISSN : 2230-9578 | Website: https://jrdrvb.org Volume-18, Issue-4(A)| April-2026

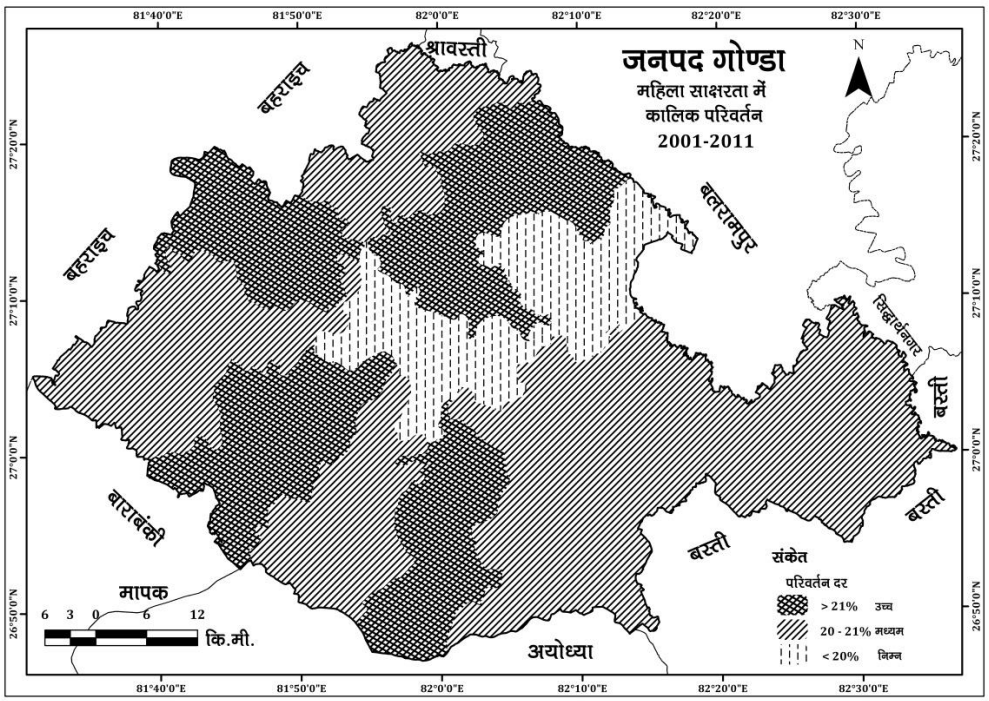

जनपद गोंडा में वर्ष 2009 तथा 2019 में कुल परिवर्तन महिला–पुरुष साक्षरता दर 16.13 प्रतिशत रही है। जनपद में सर्वाधिक परिवर्तन महिला–पुरुष साक्षरता दर वाले विकासखण्ड वर्ष 2009–2019 में कटरा बाजार (21.35 प्रतिशत), पंडरीकृपाल (21.1 प्रतिशत), मनकापुर (19.67 प्रतिशत) तथा इतियाथोक (18.67 प्रतिशत) रही है। जनपद में कुल न्यूनतम परिवर्तन महिला–पुरुष साक्षरता दर वाले विकासखण्ड वर्ष 2009–2019 में परसपुर (13.47 प्रतिशत), तरबगंज (14.25 प्रतिशत), छपिया (14.82 प्रतिशत) तथा वजीरगंज (15.26 प्रतिशत) रही है। इसी क्रम में मध्यम परिवर्तन महिला–पुरुष साक्षरता दर वाले विकासखण्ड वर्ष 2009–2019 में मझाना (15.76 प्रतिशत), हलधरमऊ (16.9 प्रतिशत), झंझारी (16.72 प्रतिशत), बेलसार (17.58 प्रतिशत), रूपईडीह (17.61 प्रतिशत), करनैलगंज (18.3 प्रतिशत), बभनजोत (18.41 प्रतिशत) तथा नवाबगंज (18.46 प्रतिशत) रही है।

जनपद गोंडा में साक्षरता वृद्धि एवं मानव विकास का स्तर–

किसी देश या क्षेत्र का मानव विकासा मुख्य रूप से तीन आयामों पर निर्भर करता है:– शिक्षा, स्वास्थ्य, जीवन प्रत्याशा।

कुल साक्षरता का एच0डी0आई0 में भारत का 130वां स्थान है। जनपद गोंडा उत्तर प्रदेश के पूर्वी भाग में स्थित है जो एक पिछड़ा एवं अल्पविकसित जनपद है। मानव विकास स्तर सीधे तौर पर साक्षरता से प्रभावित होता है क्योंकि साक्षरता स्वास्थ्य, शिक्षा एवं आय का आधार है। साक्षरता बढ़ने से स्कूलों में नामांकन और उच्च शिक्षा में भागीदारी की वृद्धि होती है। अध्ययन क्षेत्र में कम साक्षरता दर होने के कारण ड्रॉपआउट दर अधिक है। विशेषकर बालिका शिक्षा कमजोर है जिसके कारण मानव विकास स्तर में बाधा के रूप में कार्य करता है। साक्षरता व्यक्ति के स्वास्थ्य, पोषण, टीकाकरण के प्रति लोगों को जागरुक करता है जिससे लोगों की जीवन प्रत्याशा में धनात्मक सुधार होता है। कम साक्षरता दर के कारण या जानकारी के अभाव के कारण कुपोषण, मातृ एवं शिशु मृत्यु दर अपेक्षाकृत अधिक तथा स्वच्छता की कमी के कारण जीवन प्रत्याशा में कमी होती है, जिससे मानव विकास सूचकांक पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। साक्षरता अधिक होने से कौशल तथा रोजगार क्षमता का विकास होता है। जनपद में अधिकांश जनसंख्या कृषि पर निर्भर है। बेरोजगारी और रोजगार की मात्रा कम है जिसके परिणाम स्वरूप प्रति व्यक्ति आय का स्तर कम है, जिसका मानव विकास सूचकांक पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। साक्षरता में वृद्धि के कारण महिलाओं का सशक्तिकरण, सामाजिक कुरीतियों में कमी तथा राजनीतिक जागरुकता बढती है जिससे मानव विकास सूचकांक में सुधार होता है। जनपद में निम्न साक्षरता के कारण लैंगिक असमानता, बाल विवाह तथा अंधविश्वास जैसी समस्याएं जन्म लेती हैं।

जनपद गोण्डा के विकासखण्ड झंझारी (62.65 प्रतिशत), वजीरगंज (59.57 प्रतिशत), बेलसार (58.70 प्रतिशत), पंडरीकृपाल (58.50 प्रतिशत) तथा नवाबगंज (58.30 प्रतिशत) में उच्च साक्षरता दर पायी जाती है, जिस कारण जनपद के इन विकासखण्डों में स्वास्थ्य, पोषण एवं टीकाकरण के प्रति लोगों में जागरुकता से जीवन स्तर में वृद्धि हुई है, कौशल एवं रोजगार क्षमता का विकास हुआ है, सामाजिक कुरीतियों में कमी व राजनीतिक जागरुकता बढ़ी है जिसके प्रभाव से मानव विकास सूचकांक जनपद के अन्य विकासखण्ड की अपेक्षा उच्च पाया गया है।

जनपद गोण्डा के विकासखण्ड में कटरा बाजार (52.1 प्रतिशत), मझाना (53.81 प्रतिशत), करनैलगंज (54.23 प्रतिशत), रूपईडीह (54.93 प्रतिशत) तथा इतियाथोक (55.45 प्रतिशत) में निम्न साक्षरतादर पायी जाती है, जिस कारण जनपद के इन विकासखण्डों में कुपोषण, मातृ एवं शिशु मृत्यु दर अपेक्षाकृत अधिक तथा स्वच्छता में कमी के कारण जीवन प्रत्याशा में कमी पायी गयी है।

निष्कर्ष–

अध्ययन क्षेत्र जनपद गोंडा में साक्षरता का मानव विकास पर सकारात्मक एवं बहुआयामी प्रभाव देखा गया हैं। साक्षरता ने मानव के विकास को और एक कदम आगे कर दिया है जैसे मानव स्वास्थ्य, आय व जीवन स्तर को ऊंचा उठा दिया है। इसके द्वारा लोगों में जागरूकता बढ़ी है। लोग अपने स्वास्थ्य की प्रति सचेत हो गए हैं। प्रजनन के दौरान मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में ह्रास हुआ है, साथ ही पोषण स्तर में सुधार देखने को मिला है। ग्रामीण व शहरी क्षेत्र के साथ ही पुरुष व महिला के साक्षरता दर में अंतर में भी कमी दर्ज की गई है।

सुझाव–

- जनपद गोण्डा में साक्षरता में सुधार के लिए प्राथमिक शिक्षा व माध्यमिक शिक्षा दोनों के पूर्ण विकास की आवश्यकता है।
- ग्रामीण क्षेत्रों में विद्यालय की संख्या एवं महिला विद्यालयों की संख्या में वृद्धि की जाये।

Journal of Research and Development
A Multidisciplinary International Level Referred and Double Blind Peer Reviewed, Open Access
ISSN : 2230-9578 | Website: https://jrdrvb.org Volume-18, Issue-4(A)| April-2026

- ग्रामीण स्तर पर आधारभूत आवश्यकताओं पर ध्यान दिया जाये।
- वयस्क शिक्षा पर ध्यान देकर पर्याप्त रोजगार के अवसर उपलब्ध कराये जायें।
- पुस्तकालय आदि की भी सुविधा उपलब्ध करायी जाये।

संदर्भ ग्रंथ सूची–

1. तिवारी, आशा (2018): भारत का भूगोल, प्रवालिका पब्लिकेशन, इलाहाबाद, पृ0 533–536
2. मौर्या, एस0डी0 एवं देवी गायत्री (2021): जनसंख्या भूगोल, शारदा पुस्तक भवन, इलाहाबाद, पृ0 325–341
3. गौतम, डॉ0 अल्का (2018): आर्थिक भूगोल के मूल तत्व, शारदा पुस्तक भवन, इलाहाबाद, पृ0 215–216
4. तिवारी, आर0सी0 (2018): भारत का भूगोल, प्रवालिका पब्लिकेशन, इलाहाबाद, पृ0 553
5. जिला सांख्यिकी पत्रिका, 2019
6. जनगणना रिपोर्ट 2011

7- यू. एन. डी. पी. रिपोर्ट 2025